अखंड भारत समाचार

पेज़ 08 मूल्य 4 रुपए शनिवार,21 फरवरी 2026 प्रकाशित – न्यू दिल्ली अंक:01

विज्ञापन दें

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें 8708565733

US TARIFF ON INDIA: 25 से 50% हुआ... फिर 18%, US सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारत अब कितना टैरिफ देगा?

डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ (Trump Tariff) का इस्तेमाल कर दुनिया को डराया था और ट्रेड वॉर (Trade War) की स्थितियां बना दी थीं. बात रूसी तेल की खरीद को लेकर हो, या फिर यूक्रेन-रूस युद्ध (Russia-Ukraine War) को रुकवाने की, हर चीज में ट्रंप ने टैरिफ को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया. यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने दुनिया में कई युद्धों को भी इस US Tariff के जरिए रुकवाने के तमाम दावे भी किए बात भारत की करें, तो पहले अमेरिका ने 25% रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था और फिर इसे 50% किया था, लेकिन India-US Trade Deal पर बात बनते ही इसे 18% पर ला दिया गया. अब जबकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने Trump Tariff को गैरकानूनी करार दिया है, तो ट्रंप ने 10% ग्लोबल टैरिफ का ऐलान कर दिया, ऐसे में भारत पर अब कितना टैरिफ लागू होगा, इसे लेकर भी सवाल उठ रहे हैं. ये 18% रहेगा, 10% होगा या फिर 13.5% आइए समझते हैं? भारत पर टैरिफ 50% होने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव गहरा गया और भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर बातचीत भी अटक गई थी. लेकिन बीते दिनों इसे लेकर दोनों देशों में सहमति बन गई और ट्रंप ने झटके में भारत पर टैरिफ को 50% से घटाकर सीधे 18% कर दिया. बता दें कि ट्रंप ने ये दावा करते हुए भारत रूसी तेल की खरीद बंद करेगा, उन्होंने 25% का एक्स्ट्रा टैरिफ भी समाप्त कर दिया.

एआई समिट में यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन नेपाल के Gen-Z आंदोलन से प्रेरित था', दिल्ली पुलिस का बड़ा दावा

डिजिटल डेस्क, नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान हुए यूथ कांग्रेस के शर्टलेस विरोध प्रदर्शन मामले में दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में बड़ी बात कही है। पुलिस ने रिमांड मांगने के दौरान अदालत को बताया कि प्रदर्शन का तरीका पड़ोसी देश नेपाल में हुए Gen-Z युवाओं के आंदोलनों से प्रेरित है और पूरे घटनाक्रम की गहन जांच की जा रही है।। जानकारी के अनुसार भारत मंडपम में चल रहे अंतरराष्ट्रीय एआई समिट के दौरान कुछ युवकों ने अचानक शर्ट उतारकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और नारेबाजी की। कार्यक्रम में विदेशी प्रतिनिधि, उद्योग जगत के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी विशेषज्ञ मौजूद थे, जिससे कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि कड़े सुरक्षा इंतजामों के बावजूद प्रदर्शनकारी कार्यक्रम स्थल तक कैसे पहुंच गए। शुरुआती जांच में सामने आया है कि कुछ लोग क्यूआर कोड आधारित एंट्री के जरिए अंदर पहुंचे थे।

नेपाल के Gen-Z आंदोलन से समानता

पुलिस के अनुसार प्रदर्शन का तरीका नेपाल में हाल के युवा-नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों से मिलता-जुलता है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि क्या प्रदर्शन की रणनीति सोशल मीडिया या अंतरराष्ट्रीय आंदोलनों से प्रभावित थी।

घटना के बाद राजनीतिक माहौल भी गर्मा गया है। विपक्षी दलों ने इसे युवाओं की अभिव्यक्ति बताया है, जबकि सत्ता पक्ष ने अंतरराष्ट्रीय आयोजन के दौरान इस तरह के प्रदर्शन को देश की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला कदम बताया

अब विदेश में खुद गाड़ी ड्राइव करना आसान, यूपी में शुरू हुआ नया इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट; बुकलेट फार्मेट लागू

विदेश यात्रा की तैयारी कर रहे हैं और वहां पर अपना वाहन खुद चलाना चाहते हैं तो आपके लिए ये राहत भरी खबर हैं। प्रदेश में अब इंटरनेशनल ड्राइविंग परमिट (IDP) बुकलेट स्वरूप में जल्द जारी किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में पहली बार आईडीपी को बुकलेट फार्म में जारी करने की व्यवस्था लागू की गई है। इससे पहले तक आईडीपी साधारण कागज पर जारी किए जाते थे, जिसके चलते कई देशों में इसकी वैधता को लेकर समस्याएं खड़ी हो जाती थीं। विशेष रूप से जापान और अमेरिका जैसे देशों में कागजी आईडीपी पर आपत्तियां सामने आती रही हैं। नई बुकलेट व्यवस्था लागू होने के बाद इन परेशानियों से स्थायी समाधान मिलने की उम्मीद है। शासन की ओर से प्रदेशभर में कुल 4130 आईडीपी बुकलेट जारी की गई हैं। इनमें से गाजियाबाद आरटीओ को 500, नोएडा आरटीओ को 700 और मेरठ आरटीओ को 200 बुकलेट आवंटित की गई हैं। अन्य जनपदों को भी आवश्यकता के अनुसार बुकलेट भेजी गई हैं।

शासन ने सभी सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने जिलों के लिए मुख्यालय से आईडीपी बुकलेट तत्काल प्राप्त करें। यह भी स्पष्ट किया गया है कि बुकलेट उपलब्ध होते ही आईडीपी केवल बुकलेट स्वरूप में ही जारी किए जाएंगे विदेश में वाहन चलाने के लिए आईडीपी एक वर्ष की अवधि के लिए जारी किया जाता है। यह उन भारतीय नागरिकों के लिए अनिवार्य दस्तावेज है, जो विदेश में स्वयं वाहन चलाना चाहते हैं।।

पश्चिम बंगाल में अब जज करेंगे SIR से जुड़ा काम, सुप्रीम कोर्ट ने कहा - 'असाधारण परिस्थिति के चलते दे रहे हैं असाधारण आदेश'

पश्चिम बंगाल में SIR से जुड़े दावों और आपत्तियों की सुनवाई न्यायिक अधिकारी (जज) करेंगे. राज्य सरकार और चुनाव आयोग की तरफ से एक-दूसरे पर लगाए गए आरोपों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्य में SIR प्रक्रिया को जल्द पूरा करने का प्रयास किया जाए. सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से अनुरोध किया है कि वह जिला जज (DJ) या ADJ स्तर के न्यायिक अधिकारियों को SIR के लिए उपलब्ध करवाएं. इनमें सेवारत अधिकारियों के अलावा सेवानिवृत्त अधिकारी भी हो सकते हैं. यह सभी वर्तमान या पूर्व जज ऐसे हों जिनका रिकॉर्ड बेदाग रहा हो.

पश्चिम बंगाल में इस समय लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी (तार्किक विसंगति) श्रेणी में आए लोगों के दस्तावेजों की जांच चल रही है. .

बलूचिस्तान में बंधक हैं 8 जवान, कारगिल की तरह पाकिस्तान ने अपना मानने से किया इनकार

पाकिस्तान की सेना ने कारगिल युद्ध में मारे गए अपने सैनिकों को पहचानने से इनकार कर दिया था। अब यही फॉर्मूला उसने बलूचिस्तान में भी इस्तेमाल किया है। पाकिस्तानी सेना के सात जवान बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के कब्जे में हैं, जिनके बदले वह अपने लड़ाकों की रिहाई की मांग कर रही है, लेकिन पाकस्तानी सेना ने साफ कह दिया है कि ये जवान उनके हैं ही नहीं। सूत्रों के अनुसार 14 फरवरी को बीएलए ने इन सैनिकों का अपहरण किया था इनकी तस्वीरें और वीडियो क्लिप जारी कर अपने लड़ाकों को छोड़ने को कहा था। इसके लिए 21 फरवरी तक की मियाद रखी गई है, जो शनिवार को खत्म हो जाएगी। बीएलए ने कहा कि यदि पाक सेना ने उसकी बात नहीं मानी तो इन जवानों को फांसी दे दी जाएगी। फुटेज सामने आने के तुरंत बाद पाकिस्तान सेना के एक्स कोर और इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) से जुड़े सोशल मीडिया हैंडल ने झूठ फैलाना शुरू कर दिया। कहा गया कि दिखाए गए लोग पाकिस्तानी सैनिक नहीं हैं। वीडियो को डिजिटल रूप से हेरफेर किया गया था। इसके बाद बीएलए ने एक नया वीडियो जारी किया, जिसमें सातों बंधक दिखाई दे रहे हैं तथा वे सेना का अपना आधिकारिक कार्ड भी दिखाते हैं। उन्हें पूरी पहचान बताते हुए दिखाया गया है।

T20 World Cup 2026 में ICC की 'सेटिंग' ने जिम्बाब्वे का जोश और खेल दोनों बिगाड़ दिया

टी-20 वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे ने वो कर दिखाया जिसकी उम्मीद किसी को नहीं थी. मैदान पर पसीना बहाकर उन्होंने टॉप की कुर्सी हासिल की, लेकिन ICC के किताबी नियमों ने उनके हक पर डाका डाल दिया. पेश है इस नाइंसाफी पर एक तीखी चोट. कहते हैं कि क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है, लेकिन ICC ने इसे 'निश्चितताओं' का धंधा बना दिया है. जिम्बाब्वे की टीम ने इस वर्ल्ड कप में जो किया, उसे देखकर बरबस ही फिल्म लगान का वो डायलॉग याद आता है- 'तुम जीते तो दोगुना लगान माफ, और हम जीते तो...' लेकिन यहां तो जिम्बाब्वे जीत गया, फिर भी उसे इनाम के बदले 'पुराना हिसाब' थमा दिया गया. जब जिम्बाब्वे ने मैदान पर ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को धूल चटाई और अपने ग्रुप में सीना तानकर टॉप पर रहा, तो दुनिया को लगा कि अब इस 'जायंट किलर' को उसका हक मिलेगा. कायदे से ग्रुप टॉपर को सुपर-8 में कुछ सहूलियत मिलनी चाहिए थी, लेकिन ICC की 'प्री-सीडिंग' वाली फाइल ने खेल शुरू होने से पहले ही जिम्बाब्वे की किस्मत लिख दी थी. ICC का ये 'प्री-सीडिंग' सिस्टम किसी पुराने ढर्रे की सरकारी फाइल जैसा है. इन्होंने पहले ही तय कर लिया था कि 'X1' इंडिया होगा और 'X2' ऑस्ट्रेलिया. अब चाहे जिम्बाब्वे खून-पसीना एक करके टॉप पर आ जाए, उसे 'X2' की ही जर्सी पहननी पड़ेगी.

क्योंकि ब्रॉडकास्टर्स को डर है कि अगर शेड्यूल बदला तो विज्ञापन के रेट गिर जाएंगे. ICC का तर्क साफ रहता है - लॉजिस्टिक्स, ब्रॉडकास्ट कमिटमेंट्स और फैन्स की सुविधा. बड़े टूर्नामेंट महीनों पहले प्लान होते हैं- टिकट, वेन्यू, ट्रैवल, टीवी स्लॉट सब फिक्स रहते हैं. ऐसे में X1, Y1 जैसे स्लॉट अक्सर टूर्नामेंट से पहले ही तय कर दिए जाते हैं.

अभिषेक शर्मा के 3 डक पर बोले कप्तान सूर्यकुमार यादव, सुपर 8 राउंड मैच से पहले दिया बड़ा बयान

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने तीन मैचों में लगातार शून्य पर आउट होने के बावजूद अभिषेक शर्मा का समर्थन किया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच से पहले सूर्या ने कहा कि टीम को उनकी फॉर्म की कोई चिंता नहीं है और वे साथ खड़े हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ने से पहले भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने युवा ओपनर अभिषेक शर्मा का पुरजोर समर्थन किया है। लगातार तीन मैचों में शून्य पर आउट होने के बावजूद, कप्तान ने साफ कर दिया है कि टीम मैनेजमेंट अभिषेक की फॉर्म को लेकर बिल्कुल भी चिंतित नहीं है। अभिषेक शर्मा किसी भी वक्त फॉर्म में वापसी कर सकते हैं। हालांकि इन मुकाबलों में टीम इंडिया को फिर भी जीत मिली है।

यश की 'टॉक्सिक' ने छुपाए पत्ते, रणवीर की 'धुरंधर 2' ने भी नहीं खोले हाथ... सीधा थिएटर्स में धमाके की होड़ कर रहीं दोनों फिल्में !

साल की सबसे एक्साइटिंग फिल्मों में से एक 'टॉक्सिक' का टीजर आ चुका है. फिल्म के हीरो यश का कैरेक्टर इंट्रो मेकर ने उनके जन्मदिन पर ही शेयर किया था. उस प्रोमो में यश का सुपर रंगीन अवतार देखने के बाद जनता शॉक भी थी और सरप्राइज भी. कैरेक्टर इंट्रो में बस यश ही यश थे, स्टोरी का कोई हिंट, कोई आइडिया नहीं. इसलिए उम्मीद की जा रही थी कि 'टॉक्सिक' के टीजर में मेकर्स कहानी या बाकी किरदारों की कुछ झलक दिखाएंगे. मगर 'टॉक्सिक' के टीजर ने भी धप्पा कर दिया. इससे सवाल उठ रहा है कि क्या मेकर्स जितनी देर तक पॉसिबल हो 'टॉक्सिक' की कहानी छुपाना चाहते हैं? मेकर्स की इस हरकत से लोगों को हाल ही में एक और टीजर से मिला धप्पा भी याद आ रहा है.

'टॉक्सिक' के टीजर में भी यश ही यश

यश के बर्थडे पर 'टॉक्सिक' से उनका जो कैरेक्टर इंट्रो आया था, उसका फोकस सिर्फ उन्हीं पर होना समझ आता है. क्योंकि ये यश के बर्थडे पर उनके फैन्स को फिल्म के लिए रेडी करने वाला माल था. उनका कैरेक्टर इंट्रो था, इसलिए फोकस पूरी तरह उन्हीं पर रखना जस्टिफाई भी हो रहा था. इसलिए उम्मीद थी कि टीजर में यश के अलावा भी 'टॉक्सिक' की कुछ डिटेल्स नजर आएंगी.

Reg.by Govt. Of India
OASIS WORLD RECORDS
EST.SINCE 2022
BHARAT BHUSHAN SAMMAN
BHARAT DHARMA RATNA AWARD
AKHAND BHARAT SAMMAN
DR. A.P.J. ABDUL KALAM AWARD
BHARAT LEADERSHIP SAMMAN
LIFETIME NATION SERVICE AWARD
BHARAT SHAURYA SAMMAN
UNIVERSAL PEACE AND SEVA AWARD
NOMINATE NOW
www.oasisworldrecords.com
NEW DELHI
26TH JULY 2026
8708565733

OASIS WORLD RECORDS AWARDS
NOMINATE NOW
BHARAT GLORY RATNA AWARD
NATIONAL GLORY AWARD
BHARTIYA RATNA AWARD
LOK SEVA RATNA AWARD
LIFETIME NATION SERVICE AWARD
NATIONAL EXCELLENCE AWARD
DR. A.P.J. ABDUL KALAM AWARD
UNIVERSAL PEACE & SEVA AWARD
BHARAT BHUSHAN SAMMAN
RASHTRA GAURAV SAMMAN
PARAM VIBHUSHAN SAMMAN
PARAM SEVA RATNA SAMMAN
BHARAT SEVA RATNA SAMMAN
LOK KALYAN RATNA SAMMAN
BHARAT SHAURYA SAMMAN
AKHAND BHARAT SAMMAN
www.oasisworldrecords.com
www.oasisnews.in
8708565733

ELEVATE YOUR BRAND
with the Best PR Agency in India.
360 DEGREE STRATEGIC MEDIA SOLUTIONS
PRESS RELEASES
PERSONAL INTERVIEWS
INTERNATIONAL MEDIA
PRESS CONFERENCES
PRINT MAGAZINES
TV PANELISTS
AWARD NOMINATIONS
GLOBAL SPEAKING
Visit Our Website
www.oasisnews.in
8708565733

दिल्ली में आतंकी हमले का हाई अलर्ट, लश्कर-ए-तैयबा के निशाने पर लाल किला का इलाका

नई दिल्ली: दिल्ली में संभावित आतंकी हमले के मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट जारी किया गया है। आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने राजधानी दिल्ली में बड़े हमले की साजिश रची है। उसके निशाने पर ऐतिहासिक लाल किला और आसपास के कई इलाके हैं। खुफिया अलर्ट जारी होने के बाद दिल्ली ने संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी है। न्यूज एजेंसी ANI के सूत्रों के मुताबिक, लाल किला और उसके सामने चांदनी चौक इलाके में स्थित एक मंदिर लश्कर-ए-तैयबा का संभावित लक्ष्य हो सकता है। आतंकी संगठन द्वारा आईईडी हमले की साजिश रचे जाने की आशंका जताई गई है। खुफिया एजेंसियों के इनपुट के मुताबिक, 6 फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद की एक मस्जिद में हुए बम धमाके का बदला लेने के लिए आतंकी संगठन द्वारा भारत में बड़े आतंकी हमले की कोशिश की जा सकती है। एजेंसियां देश के प्रमुख मंदिरों को भी संभावित निशाने के तौर पर देख रही हैं।

तमिलनाडु में सनातन धर्म: संरक्षण, चुनौतियाँ और युवा पीढ़ी

Tamil Nadu (भारत) में सनातन धर्म और सांस्कृतिक विरासत को लेकर सामाजिक व राजनीतिक बहस तेज हो रही है। यह केवल धार्मिक मुद्दा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक मूल्यों का विषय बन चुका है। डॉ. ए. अंगप्पन @ अरुण जी ने कहा कि धर्म का उद्देश्य समाज को जोड़ना है, न कि विभाजित करना। धर्म और राजनीति के अनुचित मिश्रण से भ्रम और असुरक्षा बढ़ती है, इसलिए युवाओं में जागरूकता आवश्यक है।

डॉ. ए. अंगप्पन @ अरुण जी

मंदिरों और धार्मिक संस्थानों के प्रबंधन पर उन्होंने पारदर्शिता और न्यायपूर्ण प्रशासन की आवश्यकता बताई। उनके अनुसार मंदिर केवल संरचनाएँ नहीं, बल्कि पीढ़ियों की आस्था और संस्कृति के प्रतीक हैं। भारतीय संविधान धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देता है, और राज्य का दायित्व है कि सभी समुदायों को समान संरक्षण मिले। न्यायपालिका ने भी धार्मिक मामलों में संतुलित दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया है उन्होंने चेतावनी दी कि राजनीतिकरण से सामाजिक विभाजन बढ़ सकता है। युवाओं को परंपरा के साथ जिम्मेदारी, सेवा और नैतिक मूल्यों को अपनाना चाहिए। उनके अनुसार, परंपरा और प्रगति साथ चलें तभी समाज और राष्ट्र सशक्त बनेंगे।

नमो भारत कॉरिडोर: देश के विकास में नई क्रांति

विचार विमर्श: सुषमा

नई दिल्ली/मेरठ: देश के महत्वाकांक्षी परिवहन प्रोजेक्टों में से एक, नमो भारत कॉरिडोर, 22 फरवरी 2026 से जनता के लिए पूरी तरह चालू होगा। प्रधानमंत्री इसके उद्घाटन के अवसर पर NCR के प्रमुख शहरों को जोड़ने वाली इस सुविधा का लाभ जनता को उपलब्ध कराएँगे।

इस कॉरिडोर की लंबाई 82 किलोमीटर है और इसे 180 किमी/घंटा की डिज़ाइन स्पीड के अनुसार तैयार किया गया है, जबकि संचालन गति लगभग 160 किमी/घंटा होगी। इसके परिणामस्वरूप, दिल्ली से मेरठ की यात्रा केवल 55 मिनट में पूरी की जा सकेगी। प्रमुख स्टेशन हैं: सराय काले खान, शताब्दी नगर, बेगंपुल, मोदिनगर और मेरठ।

नमो भारत कॉरिडोर हाई-स्पीड रेल, मल्टी-मॉडल स्टेशन और आधुनिक लॉजिस्टिक हब जैसी सुविधाओं से लैस है। यात्रियों के लिए प्लेटफ़ॉर्म स्क्रीन डोर, कैशलेस टिकटिंग और सुरक्षा सेवाएँ उपलब्ध हैं। मेट्रो और बस नेटवर्क से सीधे कनेक्शन इसे NCR क्षेत्र में यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परियोजना केवल यात्रा समय कम नहीं करेगी, बल्कि क्षेत्रीय विकास, निवेश और रोजगार में भी योगदान देगी। यह पहल भविष्य की स्मार्ट और सतत परिवहन प्रणाली की मिसाल बनेगी

।

AI Impact Summit 2026: क्या भारत की वैश्विक छवि और मजबूत हुई?

संपादकीय दृष्टिकोण | न्यूज़ डेस्क

New Delhi में आयोजित AI Impact Summit 2026 ने भारत को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की वैश्विक बहस के केंद्र में ला खड़ा किया। डिजिटल अर्थव्यवस्था और स्टार्टअप इकोसिस्टम में तेज़ी से उभरते भारत ने इस मंच के जरिए यह संदेश दिया कि वह केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि भविष्य की तकनीक का निर्माता बनने की दिशा में अग्रसर है।

सम्मेलन में AI, डेटा गवर्नेंस, एथिकल AI और निवेश जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और निवेशकों की भागीदारी ने भारत की नीति-निर्माण क्षमता और जिम्मेदार टेक शक्ति की छवि को बल दिया। “डिजिटल इंडिया” दृष्टि को भी इससे नई ऊर्जा मिली।

हालांकि, कुछ आयोजन संबंधी कमियाँ और घोषणाओं के क्रियान्वयन को लेकर उठे सवाल यह संकेत देते हैं कि असली परीक्षा अभी बाकी है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को अनुसंधान, कौशल विकास और डेटा सुरक्षा पर निरंतर निवेश करना होगा।

समग्र रूप से, यह समिट भारत के लिए एक मजबूत शुरुआत है—अंतिम उपलब्धि नहीं। अब दुनिया की निगाहें इस बात पर हैं कि भारत अपने वादों को नीतिगत और जमीनी परिणामों में कितनी प्रभावी तरह बदल पाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारत को AI क्षेत्र में स्थायी नेतृत्व हासिल करना है, तो अनुसंधान एवं विकास (R&D) में निरंतर निवेश, उच्च गुणवत्ता वाले कौशल विकास कार्यक्रम, डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के सख्त मानदंड, तथा पारदर्शी नियामक ढांचा आवश्यक होंगे। साथ ही, ग्रामीण और शहरी डिजिटल विभाजन को कम करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, ताकि AI का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। समग्र रूप से देखा जाए तो AI Impact Summit 2026 भारत के लिए एक मजबूत शुरुआत है—अंतिम उपलब्धि नहीं। इसने वैश्विक मंच पर भारत की छवि को निस्संदेह सशक्त किया है, परंतु असली सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि घोषित योजनाएं कितनी प्रभावी और समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतरती हैं। अब दुनिया की निगाहें इस पर टिकी हैं कि भारत अपने वादों को नीतिगत संकल्प से आगे बढ़ाकर ठोस और दीर्घकालिक परिणामों में किस प्रकार बदल पाता है।

शीर्षक: पढ़ाई क्या होती है माँ?

लेखक: गोविन्द सोनी

रेल की पटरियों के किनारे बैठा छोटा सा रवि दूर जाती हुई ट्रेन को देख रहा था। उसके पैरों के नीचे कंकड़ चुभ रहे थे, लेकिन उसके मन में जो सवाल चुभ रहा था, वह उससे भी ज्यादा दर्द दे रहा था।

आज फिर उसने सड़क पार करते बच्चों को देखा था—साफ यूनिफॉर्म, कंधे पर बैग, हाथ में किताबें... और चेहरे पर एक अजीब सी चमक।

वह देर तक उन्हें देखता रहा।

शाम को जब उसकी माँ थकी हुई कदमों से घर लौटी, तो रवि ने धीरे से पूछा—

"माँ... पढ़ाई क्या हो
ती है?"

माँ ने पहले तो मुस्कुराने की कोशिश की, लेकिन उसकी आँखों में थकान और बेबसी साफ झलक रही थी। उसने रवि को पास बिठाया और उसके बाल सहलाते हुए बोली—

"बेटा, पढ़ाई वो होती है जिससे इंसान अपने सपनों को पढ़ पाता है... दुनिया को समझ पाता है... और अपने हालात बदल सकता है।"

रवि कुछ पल चुप रहा। फिर बोला—

"तो क्या पढ़ाई से हमारे घर की छत ठीक हो सकती है? आपको इतना काम नहीं करना पड़ेगा? और मुझे पटरी के पास नहीं बैठना पड़ेगा?"

माँ की आँखों से आँसू टपक पड़े। उसने रवि को सीने से लगा लिया।

"हाँ बेटा... पढ़ाई से सब बदल सकता है।"

अगले दिन से रवि ने पास के मंदिर के बाहर बैठने वाले एक बूढ़े मास्टर जी से अक्षर सीखना शुरू कर दिया। फटी कॉपी, आधी पेंसिल और टूटी स्लेट ही उसकी किताबें थीं।

पटरी के किनारे बैठा वही बच्चा अब मिट्टी पर 'अ' लिखते हुए मुस्कुरा रहा था।

वह हर दिन माँ से एक ही बात कहता—

"माँ, मैं पढ़ूँगा... बहुत पढ़ूँगा। एक दिन आपको आराम दूँगा।"

वर्षों बाद, उसी रेलवे स्टेशन पर एक नई बिल्डिंग बनी—"सार्वजनिक शिक्षा केंद्र"। उसके उद्घाटन के दिन मंच पर खड़ा एक युवा अधिकारी बोल रहा था—

"मैं भी कभी यहीं पटरियों के पास बैठा करता था... और एक दिन मैंने अपनी माँ से पूछा था—पढ़ाई क्या होती है?"

भीड़ में बैठी एक बूढ़ी माँ की आँखें गर्व से भर आईं।

रवि ने माइक से दूर हटकर माँ के पास आकर कहा—

"माँ... अब मुझे पता है पढ़ाई क्या होती है।

पढ़ाई वो होती है जो गरीब के बच्चे को भी सपने देखने की हिम्मत दे देती है... और उन्हें सच करने की ताकत भी।"

माँ ने उसके माथे को चूमा।

और उस दिन पटरियों के किनारे बैठा वो छोटा सा सपना... सच
में एक नई दिशा पकड़ चुका था। ❤️